टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

एम. ए. हिंदी, द्वितीय वर्ष (भाग-२)

मई २००९ परीक्षा

विषय : हिंदी साहित्य का इतिहास (H-203)

दिनांक : २१ /५/२००९ **कुलअंक :** १०० **समय :** दो. २.०० से ५.००

सूचनाएँ : १. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।
२. सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

प्रश्न १. अ) आदिकालीन धार्मिक, राजनीतिक, सामाजिक तथा सांस्कृतिक परिस्थितियों का हिंदी साहित्य पर किस प्रकार प्रभाव रहा? स्पष्ट कीजिए **(२०)**

अथवा

ब) 'रासो' शब्द के विविध अर्थ तथा उसके प्रकार बताते हुए, रासो काव्य की प्रवृत्तियाँ बताइए।

प्रश्न २. अ) 'भक्तिकाल' को हिंदी साहित्य का 'स्वर्णकाल' क्यों मना जाता है?- सोदाहरण स्पष्ट कीजिए **(२०)**

अथवा

ब) भक्तिकालीन साहित्य निर्माण में तत्कालिन धार्मिक, राजनीतिक तथा सामाजिक परिस्थितियाँ किसप्रकार प्रभावशाली रहीं- वर्णन कीजिए।

प्रश्न ३. अ) हिंदी रीति साहित्य पर संस्कृत रीति साहित्य के प्रभाव को स्पष्ट कीजिए। **(२०)**

अथवा

ब) रीति काल को'शृंगारकाल' मानना कहाँ तक उचित लगता है?- चर्चा कीजिए।

प्रश्न ४. अ) आधुनिक हिंदी कविता का विकास स्पष्ट कीजिए। **(२०)**

अथवा

ब) हिंदी कहानी के उदय और विकास पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न ५. किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए। (२०)

१) द्विवेदी युग के निबंधों की विशेषताएँ ।

२) उपन्याकार प्रेमचंद ।

३) राष्ट्रीय- सांस्कृतिक काव्यधारा।

४) नई आलोचना।